dente यदि 1) si quidem. R. Schl. II. 8. 34. *b.*: यदि चेद् भरतो धर्मात् पित्र्यं राज्यम् अवाप्स्यति· 2) etsi, etiamsi. MAH. 1. 4203.: यद्य् अस्ति चेद् धनं सर्वम् वृथाभोगा भवन्तु ताः· (Gr. καί.)

चेतना (r. चित् s. अना) animus sui compos, *Besinnung, Bewufstsein.* UR. 76. 14. RAGH. 17. 1. BH. 13. 6. — *In fine compp. possess.* N. 2. 3. 7. 14. 9. 20. 10. 19. 13. 60.

चेतस् *n.* (r. चित् s. अस्) mens, animus. IN. 2. 32. RAGH. 14. 60. N. 9. 33. 21. 8. — *In fine compp. possess.* BH. 4. 23. 5. 26. 8. 14.

चेदि *m.* nomen regionis. N. 12. 132.

चेल् 1. *P.* (गतौ *K.* चालगत्योः *V.*) se movere, ire; *scribitur etiam* चेल्; *cf.* चल्, *praet. redupl. pl.* चेलिम·

चेल *m. n.* (r. चिल् s. अ) vestis. BH. 6. 11.; *Schol.* चेलम् वस्त्रम्· (Lat. *velum*, v. sq. et rad. चिल्·)

चेली *f.* (a praec. signo *fem.* ई) *id.* (Hib. *caille* fem. «a veil or cowl», v. r. चिल्·)

चेष्ट् 1. *A.* (चेष्टायाम् *K.* ईहे *V.*) 1) se movere. MAN. 1. 52. यदा स देवो जागर्ति तदे 'दञ् चेष्टते जगत्; R. Schl. I. 2. 14.: तं शोणितपरीताङ्गञ् चेष्टमानम् महीतले दृष्ट्वा; M. 22.: गङ्गायान् न हि शक्नोमि वृहत्त्वाच् चेष्टितुम्· 2) ire, adire, frequentare. RAGH. 6. 51.: तरुचेष्टित भूमिषु· 3) niti, tendere, operam dare. RAM. III. 47. 51.: दशा कृतान्तोपहते 'यम् आविला किम् अत्र शक्यम् पुरुषेण चेष्टितुम्; *c. acc. rei.* BH. 3. 33.: सदृशञ् चेष्टते स्वस्याः प्रकृतेर् ज्ञानवान् अपि· चेष्टित *n.* nisus, opera, factum. N. 23. 18. RAGH. 4. 68. — *Part. praes. PAR.* R. Schl. I. 34. 25. — *Caus.* commovere, agitare. MAN. 12. 15.: भूतानि सततञ् चेष्टयति· (Cf. इष् ire, desiderare, अन्विष् quaerere, इष्ट desideratus, unde चेष्ट् praefixo च ortum esse videtur; lat. *QUAES, quaero, quaesivi*; cambo-brit. *cais* contentio, labor.)

c. अति ultra modum se movere, ultra modum niti, operam dare. HIT. 36. 21.: वृत्त्यर्थन् ना 'तिचेष्टेत सा हि धात्रै 'व निर्मिता·

c. वि 1) niti, operam dare, agere. MAN. 8. 334.: येन येन ... अङ्गेन स्तेनो नृषु विचेष्टते· - विचेष्टित *n.* nisus, contentio, actio. N. 23. 3. RAM. III. 65. 12. 2) reniti, obniti, reluctari. DR. 9. 13. *part. praes. PAR.*: तत एनम् विचेष्टन्तम् बध्वा· 3) ultro citroque se movere, se volutare. RAM. III. 62. 19.: शत्रुघ्नभरताव् उभौ धरायां स्म व्यचेष्टेताम् भग्नशृङ्गाव् इवा 'र्षभौ; III. 51. 23.: ता वाष्पेणच सम्वीताः ... व्यचेष्टन्त निरानन्दाः·

c. सम् niti, operam dare, agere. N. 23. 3.: सञ्चेष्टमानस्य लक्षयन्ती विचेष्टितम्·

चेष्टा *f.* (r. चेष्ट् s. आ) nisus, actio. HIT. 110. 22. RAGH. 6. 12.

चेष्टित v. चेष्ट्·

चैतन्य *n.* (a चेतन s. य) anima. RAGH. 5. 4.

चैत्य (ut videtur, a चिता vel चिति s. य) 1) *n.* locus sacrificii. 2) *n.* monumentum sepulcrale. LASS. 17. 3) *m.* arbor sacra, ficus religiosa, in vici vicinitate. H. 1. 40.

चैत्र *m.* (a चित्र vel चित्रा s. अ) mensis C'aitrus, Martius-Aprilis. BHAR. 1. 35.

चैत्ररथ *m.* (a चित्ररथ Gandharvus, qui Kuvêri horti custos est, s. अ) Kuvêri hortus. RAGH. 5. 60.

चोदना *f.* (r. चुद् impellere, s. अन in *fem.*) impulsus, incitatio. BH. 18. 18.

चोर *m.* (r. चुर् s. अ) fur, v. चौर·

चोष *m.* (r. चूष् s. अ) actio sugendi.

चोषण *n.* (r. चूष् s. अन) *id.*

चोष्य v. चूष्·

चौर *m.* (r. चुर् s. अ) fur. LASS. 23. 10. 25. 5. (v. 2. चुर्·)

चौर्य *n.* (a praec. s. य) furtum. (Hib. *coire* «trespass, offence».)

चौल *n.* (pro चौडा, a चूडा, s. अ) tonsura capitis. RAGH. 3. 28.

1. च्यु 1. *P. A.* cadere, labi, elabi, *trop.* egredi (cf. भ्रंश्). SU. 4. 19.: द्वाव् इवा 'र्कौ नभश्च्युतौ; BH. 9. 24.: न तु माम् अभिजानन्ति तत्त्वेना 'तश् च्यवन्ति ते; MAN. 12. 96.: उत्पतन्ति च्यवन्तेच (Schol. नश्यन्ति); SA. 3. 9.: च्युताः स्म राज्यात् वनवासम् आश्रिताः; 5. 26.: च्युतः स्वराज्यात्; RAM. III. 56. 7.: अद्य मे सप्तमी